वन उत्पादकता संस्थान, रांची

राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस

7 अगस्त 2020

निदेशक वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निर्णायक नेतृत्व एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान) के सफल मार्गदर्शन में दिनांक 07.08.2020 को राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस 2020 का आयोजन आभासीय मंच के माध्यम से किया गया। आभासी मंच से जुड़े लगभग 21 प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि 2015 से लगातार हम 7 अगस्त को राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस मना रहे है। हस्तकरघा उद्योग एक ऐसा क्षेत्र है जो पूर्णतया भारतीय था। वैश्वीकरण और वस्तुओं के मूल्यों की स्पर्धा के कारण यह रोजगार थोड़ा धूमिल अवश्य हुआ। ब्रिटिश काल मे ही भारतीयता को जगाने के लिए इसकी शुरुआत सन 1905 मे कलकत्ता से हुई थी। इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य इस रोजगार से जुड़े लोगों की आर्थिक स्थिति मे सुधार करना है। इस रोजगार मे लगभग 70% महिलाओं की भागीदारी है, जिसे प्रोत्साहित करना महिला कल्याण से जोड़कर देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री के निर्देश पर स्वदेशी को बढ़ावा देने तथा इस रोजगार से जुड़े खासकर महिलाओं के कल्याण हेतु हस्तकरघा उत्पाद का उपयोग हमारा दायित्व बन जाता हैं। COVID-19 का समय ना होता तो हम हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन निश्चित रूप से करते।

निदेशक ने कई हस्तकरघा उत्पाद जैसे हिमाचल का बुशहरी टोपी, कश्मीर का कालीन, उत्तर प्रदेश का दरी तथा उत्तराखंड का शाल का विशेष रूप से चर्चा किया। भागलपुर का चादर भी इस क्षेत्र में काफी लोकप्रिय है। हस्तकरघा निर्मित सामानों का पंजीकरण नहीं होने के कारण इसके निर्यात की समस्याएँ हैं जबकि विदेशों (अमेरिका, ब्राज़ील, मलेशिया, इंडोनेशिया आदि देशों) में इसकी काफी मांग है। यदि हम भारतवासी ही आंशिक रूप से भी इनके उत्पाद का उपयोग शुरू करें तो बुनकरों की आर्थिक स्थिति काफी सुदृढ़ हो सकती है। भारत सरकार ने विदेशी सामानों खासकर चीन निर्मित सामानों के उपयोग से बचने का आहवाहन किया है।

अंत में निदेशक ने बुनकरों के कल्याण, स्वदेशी जागरण एवं भारतीयता की भावना जागृत करने के लिए तमाम प्रतिभागियों एवं देशवाशियों से हस्तकरघा उत्पाद के उपयोग का आग्रह किया एवं भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग के श्री बी.डी. पंडित, श्री सूरज कुमार एवं सूचना तकनीकी प्रभाग के श्री बसंत कुमार तथा श्री आदर्श राज का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

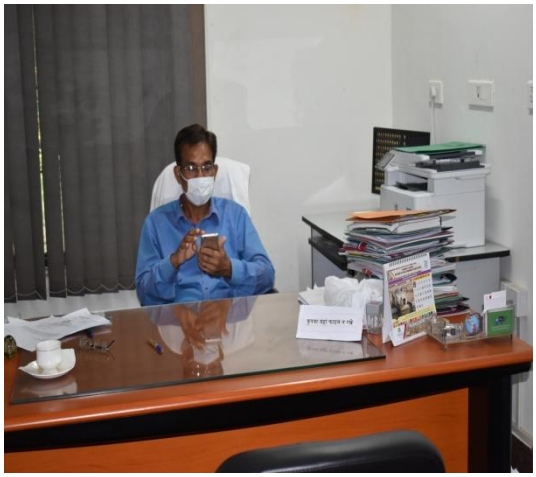
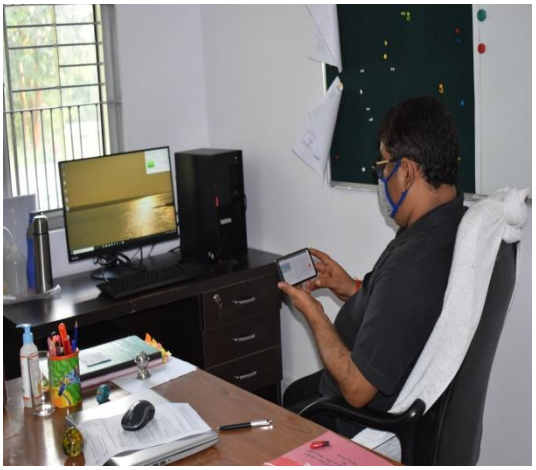

हस्तकरघा दिवस 2020 कार्यक्रम मे शामिल प्रतिभागियों की झलकियाँ